अति गोपनीय: (केवल आंतरिक और प्रतिबंधित उपयोग के लिए) **सीनियर सेकेंडरी स्कूल पूरक परीक्षा, 2026** **अंक योजना - भूगोल (सैद्धांतिक) (विषय कोड - 029)** **(पेपर कोड - 64/7/2)**	
सामान्य निर्देश:-	
1	आप जानते हैं कि उम्मीदवारों के वास्तविक और सही मूल्यांकन में मूल्यांकन सबसे महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी सी गलती से गंभीर समस्याएं हो सकती हैं जो उम्मीदवारों के भविष्य, शिक्षा प्रणाली और शिक्षण पेशे को प्रभावित कर सकती हैं। गलतियों से बचने के लिए, यह अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन शुरू करने से पहले, आपको स्पॉट मूल्यांकन दिशानिर्देशों को ध्यान से पढ़ना और समझना चाहिए।
2	**"मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं की गोपनीयता, किए गए मूल्यांकन और कई अन्य पहलुओं से संबंधित है। इसका किसी भी तरह से सार्वजनिक रूप से लीक होना परीक्षा प्रणाली के पटरी से उतरने का कारण बन सकता है और लाखों उम्मीदवारों के जीवन और भविष्य को प्रभावित कर सकता है। इस नीति/दस्तावेज को किसी को भी साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना आईपीसी के तहत कार्रवाई को आमंत्रित कर सकता है।"**
3	अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार मूल्यांकन किया जाना है। यह किसी की अपनी व्याख्या या किसी अन्य विचार के अनुसार नहीं किया जाना चाहिए। अंकन योजना का कड़ाई से पालन किया जाना चाहिए और धार्मिक रूप से पालन किया जाना चाहिए। हालांकि, मूल्यांकन करते समय, उत्तर जो नवीनतम जानकारी या ज्ञान पर आधारित हैं और/या अभिनव हैं, उनका मूल्यांकन उनकी शुद्धता के लिए किया जा सकता है अन्यथा उन्हें अंक नहीं दिए जाएंगे। 12 कक्षा में, योग्यता आधारित प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय, कृपया दिए गए उत्तर को समझने का प्रयास करें और भले ही उत्तर अंकन योजना से न हो, लेकिन उम्मीदवार द्वारा सही योग्यता की गणना की गई हो, अंक दिए जाने चाहिए।
4	अकं - योजना में उत्तरो के लिए केवल सुझाए गए मूल्य पर बिन्दु शामिल हैं । ये केवल दिशा निर्देशों की प्रकृति में है और सम्पूर्ण उत्तर का गठन नहीं करते हैं । छात्रों की अपनी अभिव्यक्ति हो सकती है और यदि अभिव्यक्ति सही है तो उचित अंक तदानुसार दिये जाने चाहिए |
5	प्रधान परीक्षक को पहले दिन प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता द्वारा मूल्यांकन की गई पहली पांच उत्तर पुस्तिकाओं को देखना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया गया है । मूल्यांकन के लिए रखी गई शेष उत्तरपुस्तिकाएं यह सुनिश्चित करने के बाद ही दी जाएंगी कि व्यक्तिगत मूल्यांकनकर्ताओं के अंकन में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है ।

6	जब भी उत्तर सही होगा, मूल्यांकनकर्ता (v) चिह्नित करेंगे। गलत उत्तर के लिए 'X' चिह्नित करें। मूल्यांकनकर्ता मूल्यांकन करते समय सही प्रकार का अंक नहीं लगाएंगे जिससे यह आभास होता है कि उत्तर सही है और कोई अंक नहीं दिया गया है। यह सबसे आम गलती है जो मूल्यांकनकर्ता कर रहे हैं।
7	यदि किसी प्रश्न के भाग हैं, तो कृपया प्रत्येक भाग के लिए दाईं ओर अंक दें। प्रश्न के विभिन्न भागों के लिए दिए गए अंकों को जोड़ दिया जाना चाहिए और बाएं हाथ के मार्जिन में लिखा जाना चाहिए और घेरे में लिखा जाना चाहिए। इसका कड़ाई से पालन किया जा सकता है।
8	यदि किसी प्रश्न में कोई भाग नहीं है, तो बाएं हाथ के मार्जिन में अंक दिए जाने चाहिए और उन्हें घेरे में लिखा जाना चाहिए। इसका कड़ाई से पालन भी किया जा सकता है।
9	यदि किसी छात्र ने एक अतिरिक्त प्रश्न का प्रयास किया है , तो अधिक अंक वाले प्रश्न का उत्तर के अंक के लिए अतिरिक्त प्रश्न लिखिए । बरकरार रखा जाना चाहिए और अन्य उत्तर के अंक के लिए अतिरिक्त प्रश्न लिखिए ।
10	त्रुटि के संचयी प्रभाव के लिए कोई अंक नहीं काटा जाएगा। इसे केवल एक बार दंडित किया जाना चाहिए।
11	अंकों का एक पूर्ण पैमाने _____70_____ (उदाहरण प्रश्न पत्र में दिए गए 0-40 अंक) का उपयोग किया जाना है। कृपया पूर्ण अंक देने में संकोच न करें यदि उत्तर इसके योग्य है।
12	प्रत्येक परीक्षक को आवश्यक रूप से पूरे कार्य घंटों अर्थात प्रतिदिन 8 घंटे के लिए मूल्यांकन कार्य करना होता है और मुख्य विषयों में प्रति दिन 20 उत्तर पुस्तिकाओं और अन्य विषयों में प्रति दिन 25 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करना होता है (विवरण स्पॉट दिशानिर्देशों में दिया गया है)। यह कम पाठ्यक्रम और प्रश्न पत्र में प्रश्नों की संख्या को देखते हुए है।.
13	सुनिश्चित करें कि आप पूर्व में परीक्षक द्वारा की गई निम्नलिखित सामान्य प्रकार की त्रुटियां नहीं करते हैं: ● उत्तर या उसके किसी भाग को उत्तर पुस्तिका में बिना मूल्यांकन के छोड़ना। ● किसी उत्तर के लिए दिए गए अंक से अधिक अंक देना। ● एक उत्तर पर दिए गए अंकों का गलत योग। ● उत्तर पुस्तिका के आंतरिक पृष्ठों से शीर्षक पृष्ठ पर अंकों का गलत स्थानान्तरण। ● शीर्षक पृष्ठ पर गलत प्रश्नवार योग। ● शीर्षक पृष्ठ पर दो स्तंभों के अंकों का गलत योग। ● गलत कुल योग। ● शब्दों और अंकों में अंक का मिलान नहीं होना। ● उत्तरपुस्तिका से ऑनलाइन पुरस्कार सूची में अंकों का गलत स्थानान्तरण। उत्तर सही के रूप में चिह्नित हैं, लेकिन अंक नहीं दिए गए हैं। (सुनिश्चित करें कि सही सही का निशान सही और स्पष्ट रूप से दर्शाया गया है। यह केवल एक पंक्ति होनी चाहिए। गलत उत्तर के लिए

	X के साथ भी ऐसा ही है।) उत्तर के आधे या एक भाग को सही और शेष को गलत के रूप में चिह्नित किया गया, लेकिन कोई अंक नहीं दिया गया।.
14	उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते समय यदि उत्तर पूरी तरह से गलत पाया जाता है, तो इसे क्रॉस (X) के रूप में चिह्नित किया जाना चाहिए और शून्य (0) अंक दिए जाने चाहिए।
15	किसी भी अमूल्यांकित हिस्से, शीर्षक पृष्ठ पर अंक न ले जाना, या उम्मीदवार द्वारा पाई गई कुल त्रुटि, मूल्यांकन कार्य में लगे सभी कर्मियों और बोर्ड की प्रतिष्ठा को भी नुकसान पहुंचाएगा। इसलिए, सभी संबंधितों की प्रतिष्ठा को बनाए रखने के लिए, यह फिर से दोहराया जाता है कि निर्देशों का सावधानीपूर्वक और विवेकपूर्ण पालन किया जाए।
16	वास्तविक मूल्यांकन शुरू करने से पहले परीक्षकों को मौके के मूल्यांकन के लिए दिशा-निर्देशों में दिए गए दिशा-निर्देशों से खुद को परिचित करना चाहिए।.
17	प्रत्येक परीक्षक यह भी सुनिश्चित करेगा कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन किया गया है, अंक शीर्षक पृष्ठ पर ले जाया गया है, सही ढंग से कुल और अंकों और शब्दों में लिखा गया है।.
18	बोर्ड उम्मीदवारों को आरटीआई आवेदन में अनुरोध पर उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने की अनुमति देता है और प्रसंस्करण शुल्क के भुगतान पर पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया के एक भाग के रूप में अलग से भी। परिक्षक / अतिरिक्त मुख्य परीक्षको को पुनः स्मरण कराया जाता है कि वे सुनिश्चित करे कि मूल्यांकन अंक योजना में दिए गए मूल्य बिन्दुओं के अनुसार ही किया गया है।

अंक योजना

पूरक परीक्षा, 2026

विषय - भूगोल- सैद्धांतिक (029)

(पेपर कोड - 64/7/2)

सेट-2

अधिकतम अंक-70

प्र.सं.	अपेक्षित उत्तर / मूल्य बिंदु	पाठ्य पुस्तक में पृ.सं.	अंक वितरण
	खण्ड क प्रश्न संख्या 1 से 17 बहुविकल्पीय प्रकार के प्रश्न है।		17x1=17
1.	(C) नहरकटिया तेल क्षेत्र से बरौनी	Pg-82 TB-II	1
2	(B) कर्नाटक, महाराष्ट्र, गोवा	Pg-80 TB-II	1
3	(C) केवल I, III और IV सही है।	Pg-48 TB-II	1
4	(B) जल संग्रहण के लिए ढांचा बनाना	Pg-47 TB-II	1
5	(D) सूती कमीज	Pg-42 TB-I	1
6	(B) ज्वार, बाजरा ,मक्का	Pg-26 TB-II	1
7	(D) a-iii, b-iv, c-ii, d-i	Pg-112 TB-II	1
8	(D) (A) और (R) दोनों सही है ,लेकिन (R) , (A) की सही व्याख्या नहीं है ।	Pg-8 TB-II	1
9	(A) मेघालय, असम ,पश्चिम बंगाल	Pg-10 TB-II	1

10	(C) II, IV, I, III	Pg-58 TB-II	1
11	(C) एकवर्ष में जीवित जन्मो की संख्या ÷ वर्ष के मध्य में अनुमानित जनसंख्या ×1000	Pg-9 TB-I	1
12	(C) केवल I, III और IV सही है ।	Pg-38 TB-I	1
13	(A) उत्तर -पश्चिमी यूरोपीय क्षेत्र	Pg-30 TB-I	1
14	(B) (A) और (R) दोनों सही है ,लेकिन (R) , (A) की सही व्याख्या नहीं है ।	Pg-8 TB-I	1
15	नीचे दी गई तालिका का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए और प्रश्न संख्या 15 से 17 तक के उत्तर लिखिए |		1

भारत : दशकीय जन्म दर, मृत्यु दर और प्राकृतिक वृद्धि दर, 1901 – 2011

दशक	अशोधित जन्म दर प्रति 1000	अशोधित मृत्यु दर प्रति 1000	प्राकृतिक वृद्धि दर (प्रति 1000)
1901 – 1911	49·2	42·6	6·6
1911 – 1921	48·1	47·2	0·9
1921 – 1931	46·4	36·2	10·2
1931 – 1941	45·9	37·2	8·7
1941 – 1951	39·9	27·4	12·5
1951 – 1961	41·7	22·8	18·9
1961 – 1971	41·1	19·0	22·1
1971 – 1981	37·2	15·0	22·2
1981 – 1991	29·5	9·8	19·7
1991 – 2001	25·4	8·4	17·0
2001 – 2011	21·8	7·1	14·7

भारत में जनसंख्या वृद्धि के निम्नलिखित में से किस प्रावस्था को जनसंख्या विस्फोट के रूप में जाना जाता है?

(C) प्रावस्था-ग

16	भारत में जनसंख्या वृद्धि की प्रावस्था -क के समय अंतराल से संबंधित सही विकल्प का चयन कीजिए। (B) 1901 to 1921		1

17	**जनसंख्या की प्राकृतिक वृद्धि से संबंधित सही विकल्प का चयन कीजिए।** **(A) जन्म - मृत्यु**		1
	खण्ड ख प्रश्न संख्या **18 एवं 19** स्रोत - आधारित प्रश्न हैं।		2x3=6
18	**दिए गए मानचित्र का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:** 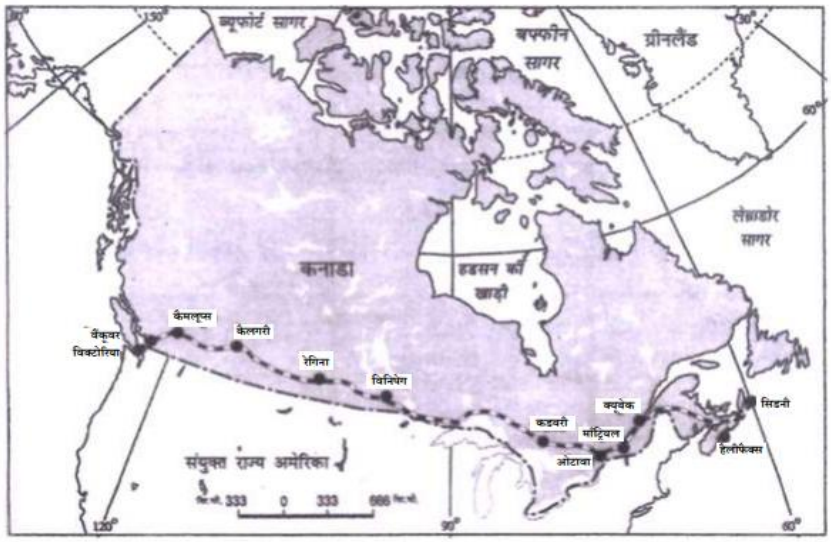 **(18.1) पार-कैनेडियन रेलमार्ग किन दो महासागरों को जोड़ता है ?** i. प्रशांत महासागर ii. अटलांटिक महासागर ½+½ =1 **(18.2) इस रेलमार्ग पर स्थित एक औद्योगिक प्रदेश का नाम लिखिए ।** क्यूबेक-मोंट्रियाल औद्योगिक प्रदेश 1 **(18.3) इस मार्ग को कनाडा की आर्थिक धमनी क्यों कहा जाता है ?** i. यह मार्ग क्यूबेक-मोंट्रियाल औद्योगिक प्रदेश को प्रेयरी प्रदेश की गेहूं मेंखला से जोड़ता है। ii. इस रेल मार्ग से गेहूं और मांस निर्यात किया जाता है। iii. अन्य संबंधित बिंदु 1		3x1=3

	(किसी एक बिंदु की व्याख्या अपेक्षित है।) **नोट : निम्नलिखित प्रश्न केवल <u>दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों</u> के लिए प्रश्न संख्या 18 के स्थान पर है ।** **पार-कैनेडियन रेलमार्ग के आर्थिक महत्त्व को स्पष्ट कीजिए ।** i. यह मार्ग क्यूबेक-मोंट्रियाल औद्योगिक प्रदेश से गुजरता है। ii. यह औद्योगिक प्रदेश को प्रेयरी प्रदेश की गेहूं मेखला से जोड़ता है। iii. विनिपेग से थंडरखाड़ी तक एक संवृतमार्ग इस रेल लाइन को विश्व के सर्वाधिक महत्वपूर्ण जलमार्ग से जोड़ता है। iv. गेहूं और मांस इस मार्ग द्वारा किए जाने वाले महत्वपूर्ण निर्यात है। v. अन्य संबंधित बिंदु **(किन्ही तीन बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है ।)**	**Pg-59** **TB-I**	**3x1=3**
19	**दिए गए अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:** **व्यापार संतुलन** व्यापार संतुलन, एक देश के द्वारा अन्य देशों को आयात एवं इसी प्रकार निर्यात की गई वस्तुओं एवं सेवाओं की मात्रा (परिमाण) का प्रलेखन करता है। यदि आयात का मूल्य, देश के निर्यात मूल्य की अपेक्षा अधिक है तो देश का व्यापार संतुलन ऋणात्मक अथवा प्रतिकूल है। यदि निर्यात का मूल्य, आयात के मूल्य की तुलना में अधिक है तो देश का व्यापार संतुलन धनात्मक अथवा अनुकूल है। एक देश की आर्थिकी के लिए व्यापार संतुलन एवं भुगतान संतुलन के गंभीर निहितार्थ होते हैं। एक ऋणात्मक संतुलन का अर्थ होगा कि देश वस्तुओं के क्रय पर उससे अधिक व्यय करता है जितना कि अपने सामानों के विक्रय से अर्जित करता है। यह अंतिम रूप में वित्तीय संचय की समाप्ति को अभिप्रेरित करता है। **(19.1) धनात्मक व्यापार संतुलन की संकल्पना को स्पष्ट कीजिए।** यदि निर्यात का मूल्य, आयात के मूल्य की तुलना में अधिक है तो देश का व्यापार धनात्मक है। 1 **(19.2) विकसित देशों की अर्थव्यवस्थाओं पर धनात्मक व्यापार**		**3x1=3**

	संतुलन के प्रभावों की व्याख्या कीजिए। i. उच्च सकल घरेलू उत्पादन ii. प्रति व्यक्ति आय अधिक iii. जीवन का बेहतर स्तर iv. अन्य संबंधित बिंदु 1 **(किसी एक बिंदु की व्याख्या अपेक्षित)** **(19.3) विकासशील देशों पर ऋणात्मक व्यापार संतुलन के प्रभावों की व्याख्या कीजिए।** **i.** वित्तीय भंडारों का समाप्त हो जाना। ii. इन देशों में बेरोजगारी की समस्या का होना। iii. अन्य संबंधित बिंदु । 1 **(किसी एक बिंदु की व्याख्या अपेक्षित)**		
	खण्ड ग प्रश्न संख्या **20 से 23** लघु-उत्तरीय प्रकार के प्रश्न है।		**4x3=12**
20	**"प्राकृतिक नियमों का अनुपालन करके हम प्रकृति पर विजय प्राप्त कर सकते हैं।" उदाहरणों सहित इस कथन को न्यायसंगत ठहराइए।** i. यह संकल्पना पर्यावरण निश्चयवाद और संभववाद के बीच मध्य मार्ग को परिलक्षित करती है। इसका अर्थ है कि प्राकृतिक नियमों का अनुपालन करके हम प्रकृति पर विजय प्राप्त कर सकते हैं। ii. मानव को लाल संकेत पर प्रति उत्तर देना होगा और जब प्रकृति रूपांतरण की स्वीकृति दे तो वह अपने विकास के प्रयत्नों में आगे बढ़ सकते हैं। iii. उन सीमाओं में, जो पर्यावरण की हानि ना करती हो, संभावनाओं को उत्पन्न किया जा सकता है। iv. विकसित अर्थव्यवस्था के द्वारा चली गई मुख्य चाल के परिणाम स्वरुप हरित गृह प्रभाव, ओजोन परत अवक्षय, पीछे हटती हिम नदियां, निम्नीकृत भूमियां है।		

	v. अन्य संबंधित बिंदु **(किन्हीं तीन बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)**	**Pg-4** **TB-I**	**3x1=3**
21	**(क) मानव विकास के 'कल्याण उपागम' की प्रमुख विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए ।** i. यह उपागम मानव को लाभार्थी अथवा सभी विकासात्मक गतिविधियों के लक्ष्य के रूप में देखता है। ii. यह उपागम शिक्षा, स्वास्थ्य ,सामाजिक सुरक्षा और सुख साधनों पर उच्चतर सरकारी व्यय का तर्क देता है। iii. लोग विकास में प्रतिभागी नहीं है किंतु वे केवल निष्क्रिय प्राप्त करता है। iv. सरकार कल्याण पर अधिकतम व्यय करके मानव विकास के स्तरों में वृद्धि करने के लिए जिम्मेदार है। v. अन्य संबंधित बिंदु **(किन्हीं तीन बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है)**	**Pg-17** **TB-I**	**3x1=3**
	अथवा **(ख) मानव विकास के 'आधारभूत आवश्यकता उपागम' की प्रमुख विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए ।** i. इस उपागम को मूल रूप से अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) ने प्रस्तावित किया था। ii. यह मानव की न्यूनतम आवश्यकताओं पर आधारित है। iii. छः न्यूनतम आवश्यकताएं है :स्वास्थ्य ,शिक्षा , भोजन ,जलापूर्ति, स्वच्छता और आवास। iv. इसमें मानव विकल्पों के प्रश्न की उपेक्षा की गई है और परिभाषित वर्गों की मूलभूत आवश्यकताओं की व्यवस्था पर जोर दिया गया है। v. अन्य संबंधित बिंदु। **(किन्ही तीन बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)**	**Pg-17** **TB-I**	**3x1=3**

22	**भारत में ग्रामीण बस्तियों के प्रकारों को प्रभावित करने वाले कारकों की उदाहरणों सहित व्याख्या कीजिए।** **भारत में ग्रामीण बस्तियों के विभिन्न प्रकारों के कारक:** i. भौतिक कारक: भूभाग की प्रकृति, ऊंचाई, जलवायु और जल की उपलब्धता। ii. सांस्कृतिक और मानव जातीय कारक: सामाजिक संरचना, जाति और धर्म iii. सुरक्षा संबंधी कारक: चोरियों और डकैतियों से सुरक्षा करते हैं । vi. अन्य संबंधित बिंदु **(किन्ही तीन बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है ।)**	**Pg-16** **TB-II**	**3x1=3**
23	**दिए गए आरेख का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए और उसके नीचे दिए गए प्रश्न का उत्तर लिखिए :** **जनांकिकीय संक्रमण सिद्धांत** 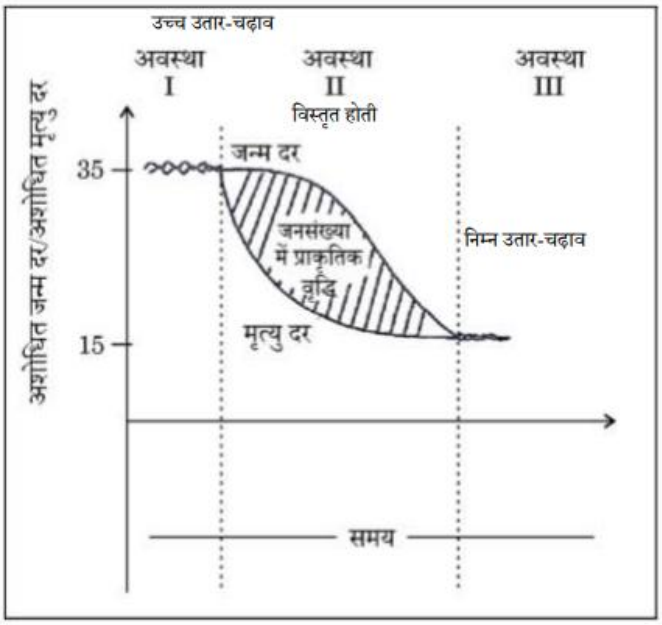 **जन्म दर, मृत्यु दर एवं जनसंख्या वृद्धि के आधार पर 'जनांकिकीय संक्रमण सिद्धांत' की द्वितीय अवस्था का उदाहरण सहित विश्लेषण कीजिए ।**		**3x1=3**

	<u>जन्म दर</u> प्रजननशीलता ऊंची बनी रहती है किंतु समय के साथ घटती जाती है। 1 **<u>मृत्यु दर</u>** स्वास्थ्य संबंधी दशाओं व स्वच्छता में सुधार के साथ मृत्यु दर में कमी आती जाती है। 1 **<u>जनसंख्या वृद्धि</u>** जनसंख्या में होने वाला शुद्ध योग उच्च होता है। उदाहरण के लिए पेरू, श्रीलंका, केन्या। 1	**Pg-11 TB-I**	
	नोट : निम्नलिखित प्रश्न केवल प्रश्न दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए प्रश्न संख्या 23 के स्थान पर है । **विश्व में 'जनांकिकीय संक्रमण सिद्धांत' का विश्लेषण कीजिए ।** i. जनसंख्या संक्रमण सिद्धांत का उपयोग किसी क्षेत्र की जनसंख्या के वर्णन तथा भविष्य की जनसंख्या के पूर्व अनुमान के लिए किया जा सकता है। ii. यह सिद्धांत बताता है कि किसी प्रदेश की जनसंख्या उच्च जन्म और उच्च मृत्यु से निम्न जन्म व निम्न मृत्यु में परिवर्तित होती है। iii. समाज ग्रामीण ,खेतिहर और अशिक्षित अवस्था से उन्नति करके नगरीय ,औद्योगिक और साक्षर बनता है। iv. इसे तीन अवस्था वाले मॉडल के रूप में प्रदर्शित किया जाता है। v. अन्य संबंधित बिंदु । **(किन्ही तीन बिंदुओं का विश्लेषण अपेक्षित है।)**	**Pg-10,11** **TB-I**	**3x1=3**
	खंड घ प्रश्न संख्या **24 से 28** दीर्घ उत्तरीय प्रकार के प्रश्न है ।		**5x5=25**

24	**ध्वनि प्रदूषण के प्रमुख कारणों को स्पष्ट कीजिए और इस समस्या को कम करने के लिए उपाय सुझाइए।** **<u>ध्वनि प्रदूषण के कारण</u>** i. औद्योगिक प्रक्रियाएं । ii. मशीनी कृत निर्माण तथा तोड़फोड़ कार्य । iii. तीव्र चालित मोटर वाहन और वायुयान । iv. सामुदायिक कार्यक्रमों में लाउडस्पीकर व सायरन का प्रयोग। v. रेल, वायुयान जैसे यातायात साधन। vi. समुद्री यातायात में माल को चढ़ाने व उतारने का निपटान करने वाले पत्तन। vii. अन्य संबंधित बिंदु 2x1= 2 **(किन्ही दो बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है ।)** **<u>ध्वनि प्रदूषण को कम करने के उपाय</u>** i. उद्योगों को मानव बस्तियों से दूर स्थापित करना। ii. मशीनों की दक्षता बढ़ाने तथा शोर कम करने के लिए उनको पुन:निर्मित करना । iii. ट्रैफिक के नियमों का कड़ाई से पालन करना। iv. ध्वनि डेसीबल स्तर को निश्चित करना। v. मशीनों और वाहनों में साइलेंसर का उपयोग करना। vi. जन जागरूकता vii. अन्य संबंधित बिंदु 3x1=3 **(किन्ही तीन बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)**	**Pg-98** **TB-II**	**2+3=5**
25	**(क) "भोजन संग्रह एवं आखेट ज्ञात प्राचीनतम आर्थिक क्रियाएँ हैं ।" उदाहरणों सहित इस कथन की पुष्टि कीजिए।** i. आदिकालीन मानव अपने जीवन निर्वाह के लिए अपने समीप के वातावरण पर निर्भर रहता था। ii. वह आखेट करने वाले पशुओं पर तथा अपने समीप के जंगलों से खाने योग्य जंगली पौधों को एकत्रित करके उन पर निर्भर रहता था। iii. अति शीत एवं अत्यधिक गर्म प्रदेशों के रहने वाले लोग आखेट द्वारा जीवन यापन करते थे। iv. तटीय क्षेत्रों में रहने वाले लोग मत्स्य पालन पर निर्भर		

	थे। v. विश्व के विभिन्न भागों में यह कार्य विभिन्न स्तरों पर विभिन्न रूपों में किया जाता है। vi. यह कार्य है कठोर जलवायविक दशाओं में किया जाता है। vii. ये आदिकालीन मानव अपने भोजन, वस्त्र, एवं शरण की आवश्यकता की पूर्ति हेतु पशुओं एवं वनस्पति का संग्रह करते हैं। viii. यह उच्च अक्षांश के क्षेत्र जैसे उतरी कनाडा, उतरी यूरेशिया एवं निम्न अक्षांशीय क्षेत्र जैसे अमेजन बेसिन और उष्णकटिबंधीय अफ्रीका में किया जाता है। ix. अन्य संबंधित बिंदु **(किन्हीं पांच बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है ।)** **अथवा** **(ख) "भूमध्यसागरीय कृषि अति विशिष्ट प्रकार की वाणिज्य कृषि है ।" उदाहरणों सहित इस कथन की पुष्टि कीजिए।** i. इस प्रकार की कृषि यूरोप में भूमध्यसागरीय देशों के समीपवर्ती देशों और उत्तरी अफ्रीका आदि में की जाती है। ii. अंगूर की कृषि भूमध्यसागरीय क्षेत्र की विशेषता है। iii. यह क्षेत्र जैतून, अंजीर और खट्टे फलों का भी उत्पादक क्षेत्र है। iv. सर्दी के मौसम में उगाए जाने वाली अधिक मूल्यवान फसलें जैसे फल और सब्जियाँ का उत्पादन भूमध्यसागरीय कृषि का प्रमुख लाभ है। v. भूमध्यसागरीय कृषि बाजार आधारित है।	**Pg-23,24 TB-I**	**5x1=5**

	vi. कोई अन्य दो बिन्दु लिखिए। **(किन्हीं पाँच बिन्दुओं का वर्णन अपेक्षित है।)**	**Pg-31 TB-I**	**5x1=5**
26	**(क) भारत के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में समुद्री पत्तनों की भूमिका का विश्लेषण कीजिए ।** i. भारत तीन ओर से समुद्र से घिरा हुआ है और प्रकृति ने इसे एक लंबी तट रेखा प्रदान की है जिस पर अनेक बंदरगाह है। ii. भारतीय पत्तन विशाल मात्रा में विदेशी व्यापार का निपटान कर रहे हैं। iii. भारतीय पत्नों की नौभार निपटाने की क्षमता में 1951 से 2016 में वृद्धि हुई है। iv. कुछ बंदरगाहों को पेट्रोलियम और अन्य कार्गो के आयात के लिए बनाया गया है। v. पश्चिमी तट के बंदरगाह का व्यापार दक्षिणी पश्चिमी एशिया, अफ्रीका ,मध्य पूर्व, भूमध्य सागरीय देश, उत्तरी अमेरिका और यूरोप के साथ है। vi. पूर्वी तट के बंदरगाह पूर्वी एशिया (चीन, जापान, कोरिया) तथा आस्ट्रेलिया के साथ जुड़े हुए हैं। vii. अन्य संबंधित बिंदु **(किन्हीं पांच बिंदुओं का विश्लेषण अपेक्षित है)** **अथवा** **(ख) भारत के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में वायु परिवहन की भूमिका का विश्लेषण कीजिए ।** **वायु परिवहन वैश्विक व्यापार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।** i. यह अंतरराष्ट्रीय पर्यटन को बढ़ावा देता है विशेष कर चिकित्सा पर्यटन। ii. इसमें बहुत कम समय लगता है।	**Pg-90,92** **TB-II**	**5x1=5**

	iii. अति उच्च मूल्य वाली वस्तुएं वायु परिवहन के द्वारा पहुंचाई जाती है। iv. शीघ्र नष्ट होने वाली वस्तुएं लंबी दूरी तक आसानी से पहुंचाई जाती है। v. भारत में 25 वायु पतन कार्यरत है जो भारत को सभी महाद्वीपों से जोड़ते हैं। vi. अन्य संबंधित बिंदु । **(किन्ही पांच बिंदुओं का विश्लेषण अपेक्षित है।)**	**Pg-92** **TB-II**	**5x1=5**
27	**(क) 'लक्ष्य क्षेत्र नियोजन' को परिभाषित कीजिए । 'समन्वित जनजातीय विकास परियोजना' के अंतर्गत भरमौर क्षेत्र की उपलब्धियों का वर्णन कीजिए।** **लक्ष्य क्षेत्र नियोजन** जो क्षेत्र आर्थिक रूप से पिछड़े हुए हैं उन क्षेत्रों में नियोजन प्रक्रम पर विशेष ध्यान दिया जाता है। 1 **भरमौर क्षेत्र की उपलब्धियां:** i. अवसंरचना का विकास ii. विद्यालय शिक्षा तथा साक्षरता दर में वृद्धि। iii. स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार। iv. पेयजल की उपलब्धता में सुधार। v. विद्युत आपूर्ति में सुधार। vi. सड़क तथा संचार व्यवस्था में सुधार। vii. लिंगानुपात में सुधार। viii. अन्य संबंधित बिंदु 4x1=4 **(किन्ही चार बिंदुओं का वर्णन अपेक्षित है)** **अथवा** **(ख) 'सतत पोषणीय विकास' को परिभाषित कीजिए । इंदिरा गाँधी नहर कमान क्षेत्र में सत्त पोषणीय विकास को बढ़ावा देने वाले**	**Pg-69** **TB-II**	**1+4=5**

	उपायों का वर्णन कीजिए । **<u>'सतत पोषणीय विकास':</u>** एक ऐसा विकास जिसमें भविष्य में आने वाली पीढियो की आवश्यकता पूर्ति को प्रभावित किए बिना वर्तमान पीढ़ी द्वारा अपनी आवश्यकता की पूर्ति करना सतत पोषणीय विकास कहलाता है। 1 **सतत पोषणीय विकास को बढ़ावा देने वाले उपाय** i. पहली और सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है जल प्रबंधन नीति का कठोरता से कार्यान्वयन करना। इस नहर परियोजना के चरण-1 में कमान क्षेत्र में फसल रक्षण सिंचाई और चरण-2 में फसल उगाने और चरागाह विकास के लिए विस्तारित सिंचाई का प्रावधान है। ii. इस क्षेत्र के शस्य प्रतिरूप में सामान्यतः जल सघन फसलों को नहीं बोया जाना चाहिए। इसका पालन करते हुए किसानों को बागाती कृषि के अंतर्गत खट्टे फलों की खेती करनी चाहिए। iii. कमान क्षेत्र विकास कार्यक्रम जैसे नालों को पक्का करना, भूमि विकास तथा समतलन और वारबंदी (आवर्तन पद्धति (निकास के कमान क्षेत्र में नहर के जल का समान वितरण) प्रभावी रूप से कार्यान्वित की जाए ताकि बहते जल की क्षति मार्ग में कम हो सके। iv. इस प्रकार जलाक्रांत एवं लवण से प्रभावित भूमि का पुनरुद्धार किया जाएगा। v. वनीकरण, वृक्षों का रक्षण मेखला का निर्माण और चरागाह विकास। इस क्षेत्र, विशेषकर चरण-2 के भंगुर पर्यावरण, में पारितंत्र-विकास के लिए अति आवश्यक है। vi. इस प्रदेश में सामाजिक सतत पोषणता का लक्ष्य तभी हासिल किया जा सकता है यदि निर्धन आर्थिक स्थिति वाले भूआवंटियों को कृषि के लिए पर्याप्त मात्रा में वित्तीय और संस्थागत सहायता उपलब्ध करवाई जाए। vii. मात्र कृषि और पशुपालन के विकास से इस क्षेत्रों में		

	आर्थिक सतत पोषणीय विकास की अवधारणा को साकार नहीं किया जा सकता। कृषि और इससे संबंधित क्रियाकलापों को अर्थव्यवस्था के अन्य सेक्टरों के साथ विकसित करना पड़ेगा। इससे इस क्षेत्र में आर्थिक विविधीकरण होगा तथा मूल आबादी गाँवों, कृषि-सेवा केंद्रों (सुविधा गाँवों) और विपणन केंद्रों (मंडी कस्बों) के बीच प्रकार्यात्मक संबंध स्थापित होगा। viii. अन्य संबंधित बिंदु 4x1=4 **(किन्हीं चार बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है)**	**Pg-70,73** **TB-II**	**1+4=5**
28	**(क) ग्रामीण एवं नगरीय विपणन केन्द्रों में उदाहरणों सहित अंतर स्पष्ट कीजिए।**		

ग्रामीण विपणन केन्द्र	**नगरीय विपणन केन्द्र**
i. ये निकटवर्ती बस्तियों का पोषण करते हैं।	i. इनका क्षेत्र विस्तृत होता है।
ii. ये अर्ध -नगरी केंद्र होते हैं।	ii. यह अधिक विशिष्टीकृत सेवाएं प्रदान करते हैं।
iii. यह अत्यंत अल्प वर्धित प्रकार के व्यापारिक केंद्रों के रूप में सेवा करते हैं।	iii. यह साधारण वस्तुएं और सेवाओं के अलावा वांछित विशिष्ट सेवाएं भी उपलब्ध कराते हैं।
iv. व्यक्तिगत तथा व्यावसायिक सेवाएं विकसित नहीं होती।	iv. नगरीय केंद्र विनिर्मित वस्तुएं तथा विशिष्ट बाजार की सुविधा उपलब्ध कराते हैं।
v. ये स्थानीय संग्रहण और वितरण केंद्र होते हैं।	v. इनमें शैक्षिक संस्थानों और व्यावसायिक सेवाएं जैसे अध्यापक, वकील, चिकित्सक आदि उपलब्ध होते हैं।
vi. यह आवधिक बाजार होते	vi. यह नियमित बाजार होते

Pg-47

	हैं। vii. अन्य संबंधित बिंदु	हैं। vii. अन्य संबंधित बिंदु।	TB-I	5x1=5
	(किन्ही पांच बिंदुओं में अंतर स्पष्ट अपेक्षित है।)			
	अथवा			
	(ख) फुटकर एवं थोक व्यापार में उदाहरणों सहित अंतर स्पष्ट कीजिए ।			
	फुटकर व्यापार	**थोक व्यापार**		
	i. यह वह व्यावसायिक गतिविधि है जिसमें वस्तुओं की बिक्री सीधे उपभोक्ता को की जाती है।	i. यह एक प्रकार का थोक व्यापार है।		
	ii. अधिकांश रिटेल व्यापार निश्चित स्थानों और कुछ स्ट्रीट पैडलिंग, हाथ-ठेलों के रूप में होते हैं।	ii. इसमें कई मध्यस्थ शामिल होते हैं,वे सीधे उपभोक्ताओं को नहीं बेचते		
	iii. ऑनलाइन बाजार भी रिटेल बाजार का एक प्रकार है।	iii.वे सीधे निर्माता से खरीदते हैं।		
	iv वे डोर-टू-डोर सेवा प्रदान करते हैं।	iv. सप्लाई चेन भी एक प्रकार की थोक विपणन प्रणाली है।		
	v. वे अक्सर थोक व्यापारी की पूंजी का उपयोग करते हैं।	v. वे बड़ी पूंजी के साथ काम करते हैं।		
	vi. कोई अन्य संबंधित बिंदु।	vi. कोई अन्य संबंधित बिंदु।	Pg-47,48	5x1=5
	(किन्ही पांच बिंदुओं में अंतर स्पष्ट अपेक्षित है।)		TB-I	
	खंड ङ			2x5=10

	प्रश्न संख्या **29** एवं **30** मानचित्र- आधारित प्रश्न है।		

29

संलग्न मानचित्र देखिये **5x1=5**

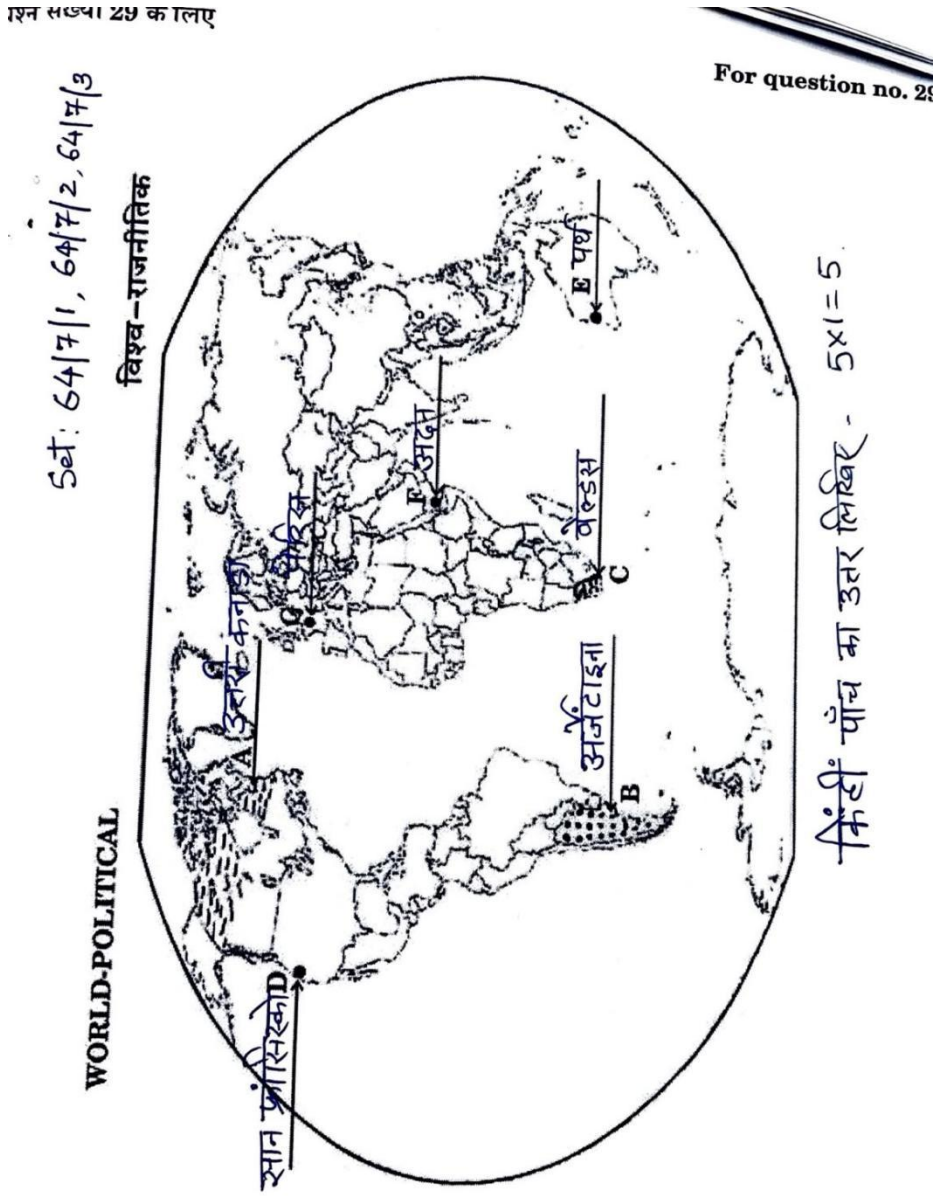

नोट: केवल **दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों** के लिए प्रश्न संख्या **29** के स्थान पर है।

किन्ही पांच प्रश्नो के उत्तर दीजिये **5x1=5**

(29.1) उत्तरी कनाडा

(29.2) अर्जेंटीना

(29.3) वेल्ड्स

	(29.4) सान फ्रांसिस्को **(29.5) पर्थ** **(29.6) अदन** **(29.7) पेरिस**
30	**संलग्न मानचित्र देखिये** 5x1=5 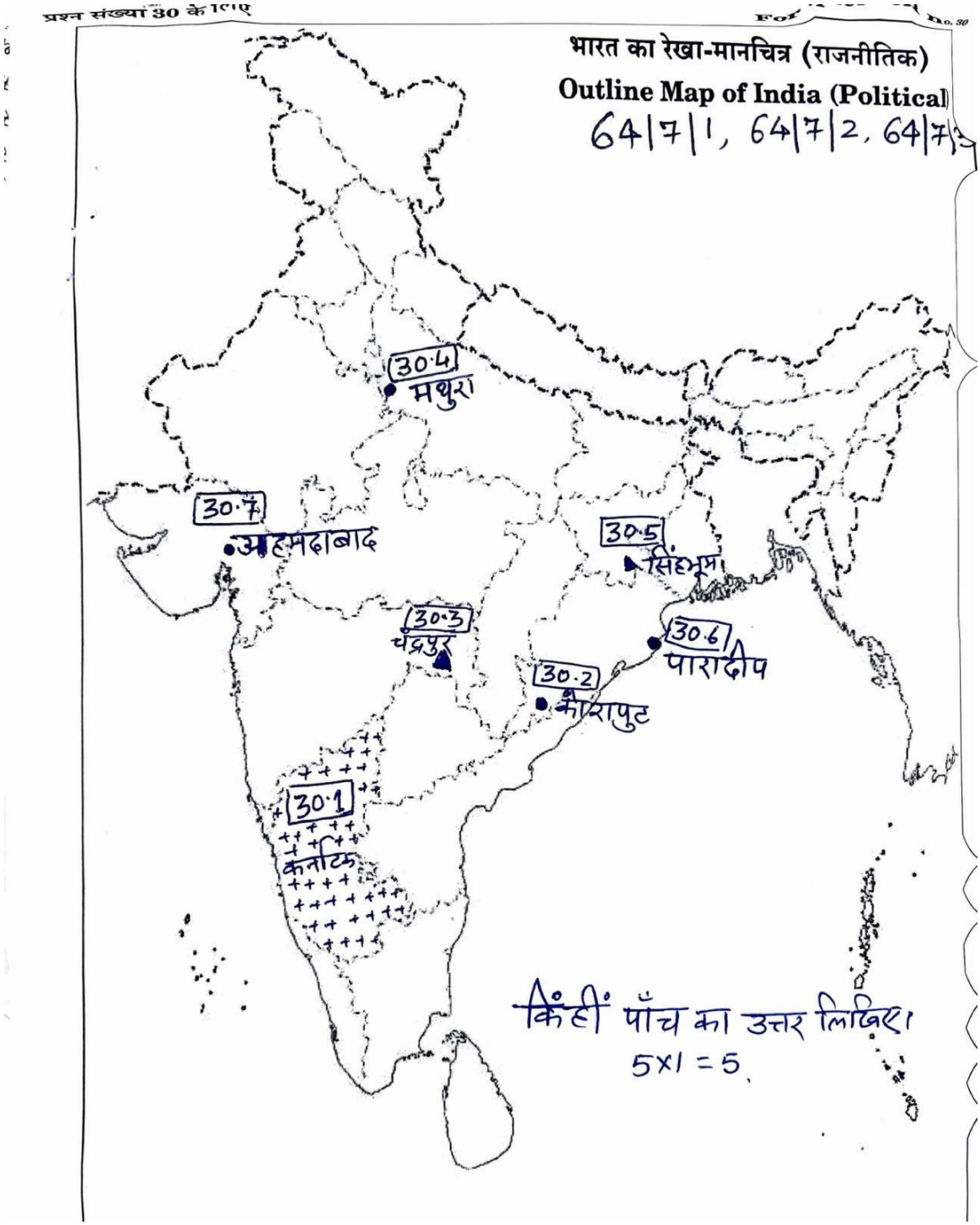

	नोट: केवल **दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों** के लिए प्रश्न संख्या **30** के स्थान पर है। **किन्ही पांच प्रश्नो के उत्तर दीजिये** **5x1=5** **(30.1) कर्नाटक** **(30.2) कोरापुट** **(30.3) चंदरपुर** **(30.4) मथुरा** **(30.5) सिंहभूम** **(30.6) पाराद्वीप** **(30.7) अहमदाबाद**